भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1281

जिसका उत्तर दिनांक 27.07.2017 को दिया जाना है

नल्लामाला वन में यूरेनियम भंडारों का सर्वेक्षण

1281. श्री देवेंदर गौड टी. :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विभाग आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में नल्लामाला वन में स्थित यूरेनियम भंडारों के सर्वेक्षण का काम शुरू करने वाला है;

(ख) क्या राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने प्रस्तावित सर्वेक्षण को मंजूरी प्रदान कर दी है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या स्थानीय ग्रामवासी और वन में रहने वाले आदिवासी उक्त सर्वेक्षण का विरोध कर रहे हैं क्योंकि यह देश के प्राचीनतम बाघ रिज़र्व को प्रभावित करेगा और भारत की संरक्षित आदिम जनजाति, चेन्चू को अशांत करेगा; और

(ङ) यदि हाँ, तो विभाग की इस मामले में किस तरह से आगे बढ़ने की योजना है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) जी, हाँ।

(ख) जी, नहीं। परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि) के एक संघटक यूनिट, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (पखनि), जिसका अधिदेश, देश में यूरेनियम के खनिज संसाधनों की पहचान करना और उनका मूल्यांकन करना है, ने दिनांक 19.12.2014 को आवेदन प्रस्तुत किया है। तथापि, प्रस्तावित सर्वेक्षण के लिए, राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से आज तक अनुमति प्राप्त नहीं हुई है।

(ग) उपरोक्त (ख) के मद्देनजर, प्रश्न नहीं उठता।

(घ) जी, नहीं। पऊवि, इस क्षेत्र में सर्वेक्षण के विरोध से संबंधित किसी विशिष्ट घटना से अवगत नहीं है।

(ड.) उपरोक्त (घ) के मद्देनजर प्रश्न नहीं उठता।

****